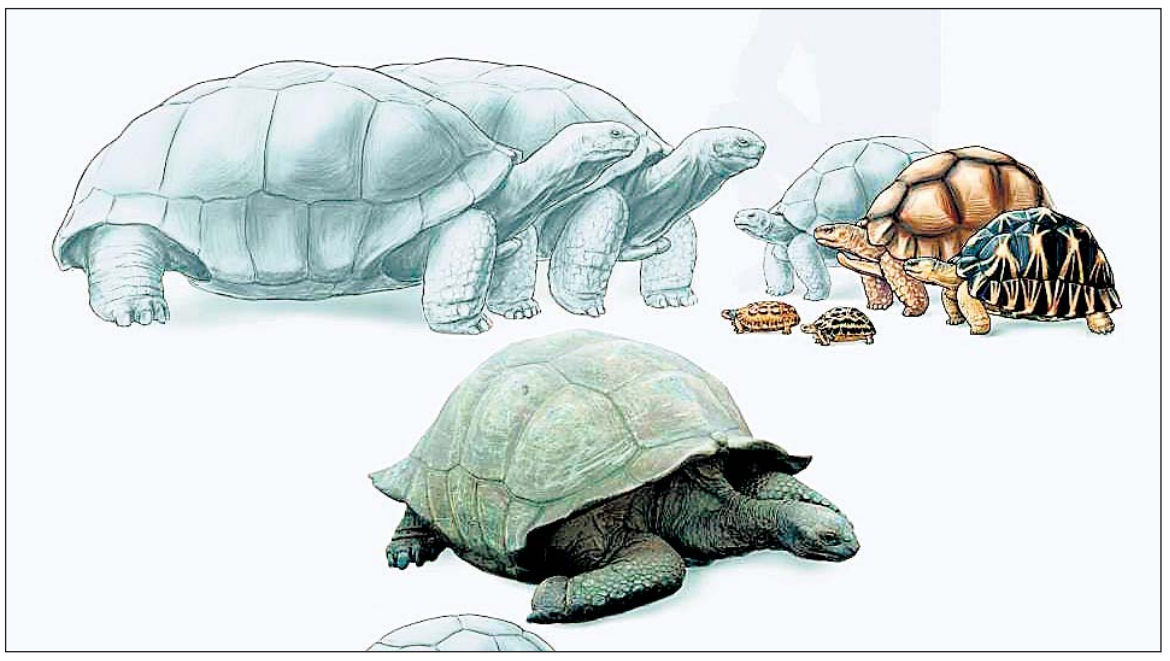

जाएंट टॉरटिस की इवोल्यूश्नरी हिस्टरी की जांच के दौरान, पूर्व में अज्ञात, विलुप्त हो चुके एक कछुए के बारे में पता चला है। कम से कम एक हजार साल पहले मैडागास्कर में एक विशालकाय कछुआ विचरता था, भर-भर कर पौधे खाता था। नए शोध में सामने आया है कि, मैमथ की तरह ही कछुए की यह प्रजाति लुप्त हो गई है। मैडागास्कर व पश्चिमी हिंद महासागर के अन्य द्वीपों में रहने वाले जाएंट टॉरटिस की रहस्यमय वंशावली का अध्ययन करते समय वैज्ञानिकों को इस प्रजाति के बारे में पता चला। लुप्त कछुए की टांग की "लोअर लैग बोन" (सिंगल टिबिया) अचानक मिलने पर उन्होंने इसके न्यूक्लियस व माइटोकॉण्ड्रिअल डी.एन.ए. का विश्लेषण किया तथा निर्धारित किया कि यह एक नई प्रजाति है। उन्होंने फ्रांस के वैज्ञानिक रॉजर बोर के नाम पर इसे एस्ट्रोचेलिस रॉजर बोरी नाम दिया। यह शोध जर्नल साईन्स एडवांटेज में छपा है। यह स्पष्ट नहीं है कि, यह प्रजाति कब लुप्त हुई थी। लेकिन जिस हड्डी का अध्ययन हुआ है, वह 1000 साल पुरानी लगती है। सत्रहवीं सदी में जब वैज्ञानिकों ने जाएंट टॉरटिस के जीवाश्म एकत्रित करने शुरु किए तब तक मैडागास्कर के जाएंट टॉरटिस की आबादी काफी पहले ही लुप्त हो गई थी। संभवतया इसका कारण यह था कि, 1000 साल पहले यहाँ इंडो-मलय लोगों ने बसना शुरु कर दिया था। इसके अलावा यूरोपियन नाविक भी भोजन व टर्टल ऑइल के लिए इनका अंधाधुंध शिकार करते थे। अलडाबरा के अलावा सभी द्वीपों से कछुए 19 वीं सदी तक लुप्त हो गए थे। शोध के लिए सैमंड्स और उनके सहयोगियों ने कई टॉरटिस जीवाश्मों से माइटॉकॉण्डिअल जीनोम बनाए। इनके विश्लेषण से टीम यह बता पाई कि जाएंट टॉरटिस ने हिंद महासागर के विभिन्न द्वीपों में कैसे माइग्रेशन किया। उदाहरण के लिए, कछुओं की विलुप्त प्रजाति पैस्करीन सिलिनड्रैंसिस संभवतः 33 मिलियन वर्षों से भी पहले अफ्रीका छोड़कर रीयूनियन वॉल्कैनिक हॉटस्पॉट पर बस गई थी। वर्तमान में यह स्थान इण्डियन ओशन में रीयूनियन द्वीप के नीचे पानी में डूबा हुआ है। यहाँ से यह प्रजाति स्थानीय द्वीपों पर फैली जिससे, पांच मैस्करीन प्रजातियाँ बनीं।

'वीरांगनाओं को भाजपा नेताओं ने इकट्ठा किया, यह राजस्थान को बदनाम करने की कोशिश है'

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत बोले-राजस्थान जैसा पैकेज देश में कहीं भी नहीं है

जयपुर, 12 मार्च (का.प्र.)। राजस्थान में वीरांगनाओं के मुद्दे को लेकर चल रही राजनीति के बीच राजस्थान सरकार भी लगातार अपने बचाव में जुटी हुई है। इसी बचाव के तहत मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पुलवामा शहीदों की वीरांगनाओं को ओर से देवरों को नौकरी देने की मांग पर फिर सवाल उठाया है। मीडिया से बात करते हुए मुख्यमंत्री गहलोत ने बीजेपी नेताओं पर आरोप लगाते हुए कहा कि, वीरांगनाओं को भाजपा नेताओं ने इकट्ठा किया है। चुनावी साल में यह राजस्थान को बदनाम करने की कोशिश है, जबकि राजस्थान जैसा पैकेज कहीं नहीं है।

- **गहलोत ने केंद्र सरकार से मांग की कि, देश के हर नागरिक के लिए सोशल सिक्योरिटी एक्ट लाया जाये, सभी को जीवन यापन जितना पैसा तो मिलना ही चाहिए।**

गहलोत ने कहा कि हमने शहीदों के आश्रितों को जो पैकेज दिए हैं, वह शायद देश के किसी राज्य में नहीं मिलता होगा। इंदिरा गांधी नगर परियोजना के पास सिंचित जमीन, पत्नी या पुत्र को नौकरी, हाउसिंग बोर्ड का शहर में मकान, पेट्रोल पंप, शहीद स्मारक, आर्थिक सहायता, तमाम पैकेज दिए हैं। यही नहीं अगर शहीद की पत्नी गर्भवती है, उसको जो बच्चा पैदा होगा। उसकी नौकरी भी गर्भ में रहते हुए भी आरक्षित कर दी गई है। शहीद का बच्चा पैदा होकर बड़ा होगा। तब तक उसकी नौकरी रिजर्व रहेगी। ऐसा फैसला हिंदुस्तान में कभी भी और कहीं भी हुआ है क्या?

मुख्यमंत्री ने बताया कि, मेरी जानकारी में आया है कि इन सभी वीरांगनाओं को बीजेपी नेताओं ने इकट्ठा किया है, क्योंकि अब चुनाव का वक्त है।

ये लोग अब चार साल बाद नौकरी क्यों मांग रहे हैं? इनसे कोई पूछे कि घटना 2019 में हुई उस वक्त मांग क्यों नहीं की? अब चार साल बाद आप मांग करके धरना दे रहे हो। पूरे राज्य और देश के लोगों को गुमराह कर रहे हो। ऐसा करके ये देश में राजस्थान की बदनामी करवा रहे हैं। ऐसी हरकतों के लिए जनता इनको आने वाले समय में जवाब देगी।

इसी के साथ मुख्यमंत्री ने ओल्ड पेंशन स्कीम के मुद्दे पर कहा कि, ओ.पी.एस. के संदर्भ में कई सीएम, वित्त मंत्री आलोचना कर हैं। मेरा मानना है, जब 65 साल तक देश में ओपीएस लागू थी। तब भी देश आधुनिक बनने की ओर आगे बढ़ रहा था। ये तब है, जब आजादी से पहले देश में एक सुई नहीं बनती थी। हम कहां तक पहुंच गए। कर्मचारियों को सिक्योरिटी देना सरकार की जिम्मेदारी है। इसे हम शेयर बाजार के भरोसे नहीं छोड़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि, मैं केंद्र सरकार से मांग करता हूं कि देश के हर नागरिक के लिए सोशल सिक्योरिटी एक्ट लेकर आओ। सभी को जीवन यापन जितना तो पैसा मिलना ही चाहिए। आज हम विश्व गुरु बनने की बात कर रहे हैं। पहले हम अपने देश में रह रहे परिवारों को तो सिक्योर कर ले।

तेलंगाना के मु.मंत्री...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उपचार दिया जा रहा है। बुलेटिन में बताया गया है कि के.सी.आर. सामान्य रूप से रिकवर कर रहे हैं और उनकी तबियत सामान्य बनी हुई है।

क्या प्रदर्शन के दौरान भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया की हत्या करने का षडयंत्र था?

पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे गुट के सांसद किरोड़ीलाल मीणा के समर्थकों के हाथों में डंडे, सरिये और पत्थर थे?

जयपुर, 12 मार्च (का.सं.)। राजधानी जयपुर में 11 मार्च को भाजपा के प्रदर्शन की चर्चा जयपुर से लेकर दिल्ली तक है, जो भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया, उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़, सांसद घनश्याम तिवाड़ी, वरिष्ठ नेता ओमप्रकाश माथुर, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी इत्यादि वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में किया गया। इस प्रदर्शन में सतीश पूनिया के खिलाफ सांसद किरोड़ीलाल मीणा समर्थकों द्वारा नारेबाजी की चर्चा जोरों पर है। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया के खिलाफ नारेबाजी मामले पर प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह ने कहा कि, भाजपा के कार्यकर्ता ऐसे नहीं हो सकते, यह शरारती लोग हैं जिन्होंने नारे लगाए, इस घटना की जितनी निंदा की जाए उतनी कम है, भाजपा इस मामले को गंभीरता से लेगी।

- **किरोड़ीलाल मीणा के समर्थन में नारे लगाने वाले उपद्रवियों ने पुलिस की बसों के शीशे तोड़े, सतीश पूनिया के खिलाफ भी नारे लगाये।**
- **क्या उपद्रवी किसी बड़ी राजनीतिक साजिश के तहत सतीश पूनिया की हत्या करने के षडयंत्र से प्रदर्शन में शामिल होने आये थे?**
- **सतीश पूनिया की सुरक्षा को लेकर राज्य सरकार की कार्यशैली पर सवाल खड़े हो रहे हैं, जयपुर से से पहले कोटा में भी उन पर हमला हो चुका है।**

गौरतलब है कि, यह आंदोलन सांसद किरोड़ीलाल मीणा, सांसद रंजीता कोली के साथ पुलिस द्वारा किये गये अलोकतांत्रिक रवैये के खिलाफ गया, जिसमें राज्य सरकार से वीरांगनाओं की मांगों के समर्थन में भी आवाज उठाई गई। यह भाजपा की तरफ से घोषित आंदोलन नहीं था, लेकिन राजेन्द्र राठौड़ ने 10 मार्च को मीडिया से बातचीत में 11 मार्च को सुबह 11 बजे भाजपा प्रदेश कार्यालय पर आंदोलन करने की घोषणा कर दी। जिसमें प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया सहित पार्टी के तमाम वरिष्ठ नेताओं, सांसदों व विधायकों को आमंत्रित किया गया। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे गुट के सांसद किरोड़ीलाल मीणा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया के खिलाफ कई बार बयान दे चुके हैं और 11 मार्च को भाजपा प्रदेश कार्यालय के बाहर किये गये प्रदर्शन के दौरान किरोड़ीलाल मीणा के समर्थकों ने किरोड़ीलाल के समर्थन में नारेबाजी की और सतीश पूनिया के खिलाफ नारेबाजी की। जिसमें यह साफ नजर आ रहा था का प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे सतीश पूनिया के खिलाफ यह उपद्रवी चारों तरफ से घेरकर टारगेट कर हूटिंग, नारेबाजी कर रहे थे और इनमें से कईयों के हाथों में डंडे, सरिया थे और पुलिस की बसों पर पत्थरबाजी भी की।

इन उपद्रवियों की हरकतों से साफ झलक रहा था कि भाजपा के प्रदर्शन को बदनाम करने के षडयंत्र में लगे थे, लेकिन भाजपा के नेता और कार्यकर्ता पूरे अनुशासन में रहे, संयमित रहे, इन उपद्रवियों ने पुलिस की बसों पर सरियों, डंडों और पत्थरों से हमला किया तो लगभग तीन बसों के शीशे टूटे।आईपीएस कुंवर राष्ट्रदीप की मौजूदगी में प्रदर्शन के दौरान गिरफ्तारी प्रक्रिया में जब पुलिस सतीश पूनिया, राजेन्द्र राठौड़ इत्यादि वरिष्ठ नेताओं को बसों से ले जा रही थी तो किरोड़ी मीणा समर्थकों ने कई घंटों तक बसों को जाने नहीं दिया, फिर पुलिस सतीश पूनिया को दूसरी गाड़ी से थाने ले जाने लगी तो उस गाड़ी से किरोड़ी समर्थक लटक गये, कई किलोमीटर तक गाड़ी का पीछा किया। इनके हाथों में सरिये, डंडे और जेबों में पत्थर तक मौजूद होने की जानकारी मिली है। इसमें से काफी घटनाक्रम किरोड़ी मीणा के फेसबुक पेज पर लाइव किया गया।

पूनिया के खिलाफ किरोड़ीलाल मीणा के समर्थकों द्वारा की गई नारेबाजी और षडयंत्र से प्रदेशभर का भाजपा कार्यकर्ता, किसान और युवा वर्ग आक्रोशित है, इस पूरे मामले पर केन्द्रीय नेतृत्व नजर बनाये हुये हैं। वही सियासी गलियारों में इस बात की चर्चा है कि पूनिया के नेतृत्व में प्रदेश स्तर के दर्जनों से अधिक आंदोलन किये गये, लेकिन किसी भी आंदोलन में कोई अशांति नहीं हुई, ना उपद्रव हुआ, लेकिन इस 11 मार्च के आंदोलन में ऐसी क्या वजह रही कि किरोड़ी मीणा के समर्थकों ने जो उपद्रव किया। उसमें सतीश पूनिया को टारगेट करके उनके खिलाफ नारेबाजी की गई। भाजपा के आंदोलन को बदनाम करने का षडयंत्र किया गया, लेकिन इतना उपद्रव होने के बाद भी प्रदर्शन के दौरान भाजपा नेता व कार्यकर्ताओं ने संयम व अनुशासन का परिचय दिया, जो भाजपा की संस्कृति है। राजनीतिक विश्लेषक कहते हैं कि किरोड़ी मीणा भाजपा से अलग हटकर सभी आंदोलन कर रहे हैं, खास बात यह है कि भाजपा ने तीन सालों में जितने भी आंदोलन किये हैं, उनमें वसुंधरा राजे, किरोड़ी मीणा और इनके समर्थक तीन चार विधायक सभी आंदोलन से दूर रहे। सियासी गलियारों में चर्चा है कि, संघ पृष्ठभूमि के सतीश पूनिया के नेतृत्व में जनहित के मुद्दों पर भाजपा द्वारा किये गये तमाम आंदोलन, पार्टी के कार्यक्रम, बूथ और पन्ना तक पार्टी की जमीनी मजबूती, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, गृहमंत्री अमित शाह सहित पार्टी के तमाम केन्द्रीय स्तर के नेताओं के राजस्थान के विभिन्न अंचलों में सफल ऐतिहासिक आयोजनों से वसुंधरा राजे गुट राजनीतिक तौर पर परेशान व बेचैन नजर आ रहा है। राजस्थान में भाजपा के कार्यकर्ताओं और किसान वर्ग में यह चर्चा है कि 11 मार्च को जयपुर में हुये प्रदर्शन में किरोड़ी मीणा के समर्थन में नारे लगाने वाले उपद्रवियों ने किसके कहने पर सतीश पूनिया के खिलाफ नारे लगाये? किसके कहने पर बसों के शीशे तोड़े और आखिर किस षडयंत्र के तहत वह हाथों में सरिये, डंडे और पत्थर लेकर आये थे? क्या यह उपद्रवी किसी बड़ी राजनीतिक साजिश के तरह किसी के कहने पर सतीश पूनिया की हत्या करने के षडयंत्र के तहत इस प्रदर्शन में आये थे? ऐसे तमाम सवाल हैं जिन पर पार्टी का केन्द्रीय नेतृत्व, प्रदेश नेतृत्व गंभीर।

गौरतलब है कि, इससे पहले पिछले वर्ष कोटा से बूंदी जाते समय सतीश पूनिया की गाड़ी पर सैकड़ों उपद्रवियों ने पत्थरों से हमला किया था, ऐसे में सतीश पूनिया की सुरक्षा को लेकर भी राज्य सरकार की कार्यशैली पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

बैक्टीरिया रोधी मॉलिक्यूल की खोज

हरिद्वार 12 मार्च (वार्ता)। उत्तराखंड के रुड़की स्थित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आई.आई.टी.) के शोधकर्ताओं ने एक नए जीवाणुरोधी छोटे अणु (आई.आई.टी.आर. 00693) की खोज की है जो दवा प्रतिरोधी संक्रमणों से लड़ने में मदद कर सकता है। इस शोध का नेतृत्व प्रोफेसर रंजना पठानिया ने किया। उनके अलावा इस शोध में बायोसाइंसेस और बायोइंजीनियरिंग विभाग, आई.आई.टी. रुड़की ने महक सैनी, अमित गौरव, आशीष कोठारी, एम्स, ऋषिकेशय बलराम जी उमर, एम्स, ऋषिकेशय वर्षा गुप्ता, गवर्नमेंट मैडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, चंडीगढ़ अमिताभ भट्टाचार्य, असम विश्वविद्यालय ने भी अहम् योगदान किया।

कठोर स्क्रीनिंग प्रक्रिया के बाद खोजे गए अणु ने ग्राम-पॉजिटिव और ग्राम-नेगेटिव बैक्टीरिया की एक विस्तृत श्रृंखला के खिलाफ शक्तिशाली जीवाणुरोधी गतिविधि दिखाई है, जिसमें कुछ सबसे अधिक समस्याग्रस्त दवा-प्रतिरोधी उपभेद भी शामिल हैं।

रतन टाटा के हैं 85 लाख सोशल मीडिया फोलोअर्स लेकिन वे सिर्फ एक को करते हैं फोलो

नई दिल्ली, 12 मार्च। उद्योगपति रतन टाटा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का भी यूज करते हैं लेकिन, वे इस पर काफी कम एक्टिव रहते हैं। देश ही नहीं विदेशों में भी उनके चाहने वाले हैं। रतन टाटा को लोग कितना प्यार करते हैं उसका अंदाजा इस बात से ही लगा सकते हैं कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम में उनके 85 लाख से अधिक फॉलोअर्स हैं।

आज हम आपको रतन टाटा और उनके सोशल मीडिया अकाउंट से जुड़ी एक हैरान करने वाली बात बताने जा रहे हैं। रतन टाटा को इंस्टाग्राम पर तो लाखों लोग फॉलो करते हैं लेकिन क्या आप जानते हैं कि खुद रतन टाटा किसे फॉलो करते हैं। वे सिर्फ और सिर्फ एक अकाउंट को फॉलो करते हैं।

बता दें कि रतन टाटा जिस इंस्टा अकाउंट को फॉलो करते हैं वह किसी व्यक्ति का पर्सनल अकाउंट नहीं है। रतन टाटा सिर्फ टाटा ट्रस्ट इंस्टा अकाउंट को फॉलो करते हैं। टाटा ट्रस्ट की स्थापना 1919 में हुई थी। रतन टाटा फिलहाल टाटा ग्रुप की सभी जिम्मेदारियों से हट चुके हैं लेकिन वे टाटा ट्रस्ट के कामकाज को अभी भी देखते हैं और उससे जुड़े हुए हैं। रतन टाटा टाटा ट्रस्ट के चेयरमैन भी हैं।

आपको बता दें कि टाटा ट्रस्ट एजूकेशन, न्यूट्रिशन, हेल्थ, पर्यावरण जैसे कई क्षेत्रों में काम करता है। रतन टाटा इस ट्रस्ट के अलावा भी कई ट्रस्ट चलाते हैं। इन सभी ट्रस्ट का सिर्फ एक ही मकसद है कि समाज में बदलाव लाकर उसे और बेहतर बनाया जा सके।

- **रतन टाटा जिस एकमात्र इंस्टाग्राम अकाउंट को फोलो करते हैं वह किसी का पर्सनल अकाउंट नहीं है।**
- **रतन टाटा सिर्फ टाटा ट्रस्ट इंस्टा अकाउंट को फॉलो करते हैं। टाटा ट्रस्ट की स्थापना 1919 में हुई थी। रतन टाटा फिलहाल टाटा ग्रुप की सभी जिम्मेदारियों से हट चुके हैं लेकिन वे टाटा ट्रस्ट के कामकाज को अभी भी देखते हैं और उससे जुड़े हुए हैं। रतन टाटा, टाटा ट्रस्ट के चेयरमैन भी हैं।**
- **रतन टाटा के अकेले इंस्टाग्राम पर 85 लाख से ज्यादा फोलोअर्स हैं।**

प्रधानमंत्री मोदी ने लंदन...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

का उद्घाटन करने वाले हैं। साथ ही कर्नाटक में लगभग 16,000 करोड़ रुपये की परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे।

मोदी करीब 4,130 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले चार लेन मैसूरु-कुशलनगर राजमार्ग की आधारशिला भी रखेंगे। इस परियोजना से गंतव्यों के बीच यात्रा के समय को पांच घंटे से घटाकर केवल 2.5 घंटे करने की उम्मीद है।

वह बाद में कर्नाटक के उत्तरी हिस्से का भी दौरा करेंगे और 850 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से निर्मित आई.आई.टी. धारवाड़ का उद्घाटन करेंगे।

मोदी हुबली रेलवे स्टेशन पर सिद्धारूढ स्वामी मंच राष्ट्र को समर्पित करेंगे, जिसे ग्रिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में मान्यता दी गई है। मंच करीब 20 करोड़ रुपये की लागत से बना है। प्रधानमंत्री धारवाड़ बहु-ग्राम जल आपूर्ति योजना की आधारशिला भी रखेंगे, जिसे 1040 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से विकसित किया जाएगा।

तेलंगाना...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नीति मामले में कथित अनियमितताओं से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बयान दर्ज करने के लिए शनिवार को पूछताछ नौ घंटे तक चली थी।

मामले के संबंध में बी.आर.एस. एम.एल.सी. को 16 मार्च को फिर से तलब किया गया है। फिलहाल पोस्टर युद्ध जारी रहने की ही उम्मीद है जो फिलहाल तेलंगाना तक सीमित है।

बजट सत्र का दूसरा चरण आज से

नई दिल्ली, 12 मार्च (वार्ता)। संसद के बजट सत्र के दूसरे चरण की कार्यवाही सोमवार से शुरु होगी जिसमें लंबित पड़े विधेयकों को पारित कराया जाएगा।

सत्र का दूसरा चरण छह अप्रैल तक चलेगा और इस दौरान कुल 17 बैठकें होंगी। सूत्रों के मुताबिक इस दौरान 35 विधेयक पारित कराए जाने हैं जिनमें 26 राज्य सभा और नौ लोकसभा में लंबित हैं।राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करने के साथ ही 31 जनवरी को बजट सत्र शुरू हुआ था। सत्र का पहला चरण 13 फरवरी तक चला और इस दौरान कुल 10 बैठकें आयोजित हुई।

सांसद सुधांशु...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जाते हैं, जब से मोदी सरकार आयी है लोक कल्याणकारी योजनाओं के पैसे लाभार्थियों के बैंक खाते के माध्यम से शत प्रतिशत प्राप्त हो रहे हैं। भारत में यूपीए सरकार में बम्ब ब्लास्ट व आतंकवादी हमलें होते थे, 2014 के बाद दृढ इच्छा शक्ति के कारण न कोई बम ब्लास्ट और न आतंकी गतिविधियां हो रही है। भ्रष्टाचारी जेल जा रहे हैं और उनकी सम्पत्तियां ज़ब्त हो रही है। जम्मू कश्मीर से धारा 370 हठायी गई और अयोध्या में भव्य राम मंदिर बन रहा है।

'शासन की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पत्रकारों से बातचीत मे कहा कि पुलवामा शहीदो की वीरांगनाओं को सहायता देने के मामले मे कांग्रेस मुख्यमंत्री गहलोत का रवैया असंवेदनशील रहा जबकि उनके मंत्रिमंडल के सदस्यों ने वीरांगनाओं से मिल कर घोषणा की थी। मुख्यमंत्री को दरियादिली दिखाकर पुलवामा शहीदो की वीरांगनाओं से भी मिलना चाहिए था। जबकि गहलोत जी शहीदों की वीरांगनाओं को गुटों मे बांटकर राजनीति कर रहे हैं, जो अशोभनीय है।

वीरांगनाओं की प्रमुख मांग मे शहीदों की प्रतिमा लगाने का कार्य,स्कूलों का शहीदो के नाम पर नामकरण, गांव मे सडक का नामकरण और परिजनों में से एक को नौकरी थी जिसको सरकार के ही मंत्रियों ने जाकर सहमति प्रदान की थी। सरकार को घोषणा की गई मांग को पूरी करनी चाहिए । सरकार के मंत्रियों को झूठी घोषणा नहीं करनी चाहिए थी। सिंह ने कहा कि शासन की अकर्मण्यता से जनप्रतिनिधियों पर हमले बढ़ रहे हैं जो लोकतंत्र मे चिंताजनक है। वही इसके साथ ही साक्षी विधायक वेद प्रकाश सोलंकी, विधायक लाखन सिंह, नमो नारायण मीणा डॉक्टर किरोड़ी लाल मीणा से मिलने अस्पताल पहुंचे और उनकी कुशलक्षेम जानी।

नागालैण्ड में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

से समझौता करना पड़ता है, तो हम महाराष्ट्र में भाजपा-शिवसेना (शिंदे गुट) से कैसे लड़ सकते हैं?

एन.सी.पी. के फैसले के बाद कांग्रेस और शिवसेना (यू.बी.टी.) के सदस्यों के बीच सब कुछ ठीक नहीं है, लेकिन कांग्रेस और शिवसेना (यू.बी.टी.) के शीर्ष नेतृत्व ने अपने सदस्यों से इस समय सार्वजनिक रूप से शरद पवार के खिलाफ नहीं बोलने की अपील की है। हालांकि, नागालैण्ड में भाजपा के साथ शरद पवार का गठबंधन इस तरह का पहला उदाहरण नहीं है। 2014 में, एन.सी.पी. ने महाराष्ट्र में भाजपा को समर्थन देने का वादा किया।

राज्य विधान सभा की 288 सीटों में से 122 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी भाजपा 23 सीटों से बहुमत से कम हो रही थी। भाजपा तब संभावित सहयोगी की तलाश में थी। चूंकि भाजपा और तत्कालीन अविभाजित शिवसेना ने अलग-अलग चुनाव लड़ा था, इसलिए भगवा दलों में कटुता थी। शरद पवार भाजपा को बिना शर्त समर्थन देने के लिए आगे आए।

भारत और ऑस्ट्रेलिया मिलकर खोजेंगे लिथियम और कोबाल्ट के भण्डार

- **भारत ने ऑस्ट्रेलिया के साथ पांच खनिजों के उत्खनन एवं खोज का एग्रीमैंट किया।**

नई दिल्ली, 12 मार्च (वार्ता)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच लिथियम और कोबाल्ट सहित सूक्ष्म रसायनों के उत्खनन की पांच परियोजनाओं में मिल कर निदेश की दिशा में काम करने पर सहमति बनी है। सरकार ने इसे दोनों देशों के बीच सहयोग में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताया है। खान मंत्रालय की शनिवार को जारी एक विज्ञप्ति के मुताबिक केंद्रीय कोयला, खान और संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी और ऑस्ट्रेलिया की खनिज मंत्री मेडेलीन किंग ने शुक्रवार को नई दिल्ली में द्विपक्षीय वार्ता में दोनों देशों के बीच साझेदारी के तहत पांच लक्षित परियोजनाओं की पहचान की है। इनमें दो लिथियम और तीन कोबाल्ट खनन की परियोजनाएं हैं। बयान में कहा गया है कि इन परियोजनाओं पर पर विस्तारपूर्वक तत्परता से आवश्यक कार्य किया जाएगा।दोनों देशों ने सहयोग बढ़ाने और सूक्ष्म भारत-ऑस्ट्रेलिया सूक्ष्म रसायन निवेश भागीदारी के लिए अपनी मौजूदा प्रतिबद्धताओं को बढ़ाने पर भी सहमति व्यक्त की है। बयान में कहा गया है कि प्रस्तावित परियोजनाओं के माध्यम से ऑस्ट्रेलिया में संसाधित/प्रसंस्कृत सूक्ष्म खनिजों पर आधारित नई आपूर्ति श्रृंखलाएं कायम की जाएगी। इससे भारत के कार्बन उत्सर्जन कम करने और इलेक्ट्रिक वाहनों सहित वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनने की योजनाओं में मदद मिलेगी। प्रह्लाद जोशी ने कहा, भारत के उपक्रम खनिज बिदेश इंडिया लि. और सी.एम.ओ. ऑस्ट्रेलिया ने, मार्च 2022 में परस्पर समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद एक वर्ष की छोटी अवधि में मील का पहला पत्थर तय कर लिया है।

'कश्मीर पर फैसला लेने का हक केवल भारत और पाकिस्तान को है'

अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नेड प्राइस ने कहा, कश्मीर मुद्दा कोई अंतर्राष्ट्रीय नहीं बल्कि दोनों देशों का आपसी मसला है

वॉशिंगटन/नई दिल्ली, 12 मार्च। पाकिस्तान ने कश्मीर के मुद्दे को हर बड़े अन्तर्राष्ट्रीय मंच पर उठाया। लेकिन उसे मुंह की खानी पड़ी है। खुद पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो ने यह कहकर सनसनी फैला दी कि दुनिया के देश कश्मीर पर पाकिस्तान की बात नहीं सुनते हैं। इसी बीच अमेरिका ने कश्मीर को लेकर बड़ा बयान दिया है। अमेरिका ने कहा है कि भारत और पाकिस्तान को कश्मीर के मुद्दे पर आपस में मिलकर रचनात्मकता के साथ बातचीत करना चाहिए। अमेरिका के प्रेसीडेंट जो बाइडन प्रशासन ने कहा कि अमेरिका, भारत और पाकिस्तान के बीच सार्थक और रचनात्मक कूटनीति हो, इसका समर्थन करता है। इस बारे में अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नेड प्राइस से पूछा गया तो उन्होंने अपने जवाब में कहा कि कश्मीर के मुद्दे पर वार्ता की प्रकृति क्या हो, यह दोनों देशों को ही तय करना है। इस तरह अमेरिका ने यह साफ कर दिया है कि कश्मीर मुद्दा अन्तर्राष्ट्रीय नहीं बल्कि दोनों देशों का मुद्दा है, जिसे दोनों देश कूटनीतिक पहल के साथ सॉल्व कर सकते हैं।

- **अमेरिका ने कहा है कि, दोनों देशों को इस मसले का कूटनीतिक बातचीत के जरिये हल निकालना चाहिये।**
- **अमेरिका ने कहा है कि, कश्मीर के मुद्दे पर वार्ता की प्रकृति क्या हो, यह दोनों देशों को ही तय करना है।**

हालांकि नेड प्राइस ने कहा कि, यदि दोनों देश चाहें तो अमेरिका भूमिका निभाने के लिए तैयार है। प्राइस ने हालांकि, भारत और पाकिस्तान के बीच वार्ता में अमेरिका के किसी भी तरह से मध्यस्थ की भूमिका निभाने की संभावनाओं से इंकार कर दिया।

नेड प्राइस ने मीडिया ब्रीफिंग में कहा, इस संबंध वे (भारत और पाकिस्तान) खुद ही फैसला कर सकते हैं। अगर वे चाहें, तो अमेरिका कोई विशेष भूमिका निभाने का तैयार है। प्राइस से पूछा गया, विश्लेषकों का मानना है कि अमेरिका के पास दोनों भागीदारों के बीच मध्यस्थता करने की शक्ति व अधिकार है।

पाकिस्तान और भारत आपके साझेदार हैं, तो आप एक मध्यस्थ की भूमिका क्यों नहीं निभाते? इसके जवाब में उन्होंने कहा, अंततः अमेरिका उस प्रक्रिया को निर्धारित नहीं करता, जिसके तहत भारत और पाकिस्तान एक दूसरे से वार्ता करें। हम लंबे समय से चले आ रहे संघर्षों को हल करने के लिए भारत और पाकिस्तान के बीच रचनात्मक बातचीत तथा सार्थक कूटनीति का समर्थन करते हैं।

एक अन्य सवाल के जवाब में प्राइस ने कहा कि भारत, अमेरिका का एक वैश्विक रणनीतिक साझेदार है।

समलैंगिक...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

देने के कारण किसी मौलिक अधिकार का उल्लंघन नहीं होता है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908